c. प्र praef. सम् *id.* MAH. 2.488.: तत् ते ऽहम् सम्प्रवक्ष्यामि माहात्म्यम्।

c. प्रति respondere. N. 6.7.: प्रत्यूचुस् ते दिवौकसः; R. Schl. II. 68.1.: प्रत्युवाच ह ... ब्राह्मणांस् तान् इदं वचः।

c. सम् *i. q. simpl.* P. 3.: तम् समवोचताम्।

वचन *n.* (r. वच् s. अन) 1) sermo. 2) jussus. N. 16.28.

वचस् *n.* (r. वच् s. अस्) sermo. N. 20.28. IN. 4.5. (Gr. ἔπος, cujus ς ad thema pertinet; v. gr. comp. 128.)

1. वज् *P.* (गतौ) ire. (Cf. वङ्ग्, lat. *vagor.*)

2. वज् 10. *P.* वाजयामि (संस्कृतौ गतौ *V.*) ornare; ire, se movere.

वज्र *m. n.* 1) fulmen. IN. 3.4. 2) adamas.

वज्रधर *m.* (qui fulmen tenet, e वज्र fulmen et धर qui tenet) cognomen *Indri.* IN. 2.25.

वज्रपाणि *m.* (fulmen in manu habens, *BAH.* e वज्र et पाणि manus) *id.*

वज्रिन् *m.* (a वज्र s. इन्) *id.* UR. 5.13.

1. वञ्च् 1. *P.* ire, adire. BHATT. 14.74.: ववञ्चुर् आहवक्षितिम्। Transgredi. BHATT. 7.106.: वञ्चित्वा ऽम्बरन् द्रुमम् (schol. अतिक्रम्य)। *Cf.* वङ्क्।

2. वञ्च् 10. *A.* decipere, fallere. R. Schl. II. 37.21.: वञ्चयित्वा तु राजानम्; RAGH. 12.53.: रक्षसा मृगरूपेण वञ्चयित्वा स राघवौ; BHATT. 8.43.: अवञ्चयत मायाः स्वमायाभिर् नरद्विषाम्; HIT. 120.20.: वञ्च्यते धूर्तैः। — *Part. praes. PAR.* MAH. 1.5794.: तञ्च पापं सुयोधनम् वञ्चयद्भिः। (*Cf.* वङ्क्, वक्र।)

c. परि *i. q. simpl.* HIT. 129.19.: परिवञ्चितः deceptus.

वञ्चक *m.* (r. वञ्च् s. अक) fraudator. Lass. 87.11.

वञ्चन *n.* (r. वञ्च् s. अन) actio decipiendi. DR. 6.24.

1. वट् 1. *P.* (परिभाषणे *K.* उक्तौ *V.*) loqui, dicere. *Cf.* वद्, 2. पट्, पठ्।

2. वट् 1. *P.* (वेष्टने *K.* वेष्टे *V.*) circumdare, sepire (v. वाट, वाटिका), vestire. *V. sq. et cf.* 3. पट्।

3. वट् 10. *P.* (ग्रन्थे विभाजने *K.* वेष्टे भागे *V.*) jungere, nectere, serere; dividere, distribuere; circumdare, vestire. *Cf.* वण्ट् et 3. पट्।

वट *m.* ficus Indica.

वटारक *m.* funis genus. M. 30. (MAH. 3.12776.). *Scribitur etiam* वराटक *et* वटाकर (v. Colebr. AM. p. 244.).

वटारकमय *Adj.* (e praec. s. मय) *vatâracicus.* M. 39.

वठ् 1. *P.* (स्थौल्ये) magnum, crassum esse (scribitur etiam बठ्)।

वडभि *f.* contignatio tecti. UR. 37.6. MEGH. 39.

वडभी *f. id.*

वडवा *f.* equa. AM.

वण् 1. *P.* i. q. बण्।

वणिज् v. बणिज्।

वण्ट् 1. et 10. *P.* dividere, distribuere. (Scribitur etiam बण्ट्।)

1. वण्ड् 1. *A.* (वेष्टने *K.* वेष्टे विभागे *V.*; scribitur वड्, gr. 110[a].) circumdare, vestire; dividere, distribuere. *V.* 2. et 3. वट्, वण्ट्।

2. वण्ड् 10. *P.* (विभागे; scribitur वड्; gr. 110[b].) dividere, distribuere. *Cf.* 3. वट्, वण्ट्।

वत् *Adv.* sicut, *in fine compositorum.* IN. 1.24. 5.47. H. 1.36.

वत *Interj.* heu! eheu! N. 11.10. 19.5. SA. 2.11. fere semper sequitur Interjectionem अहो।

वत्स *m.* 1) proles, natus, filius. SA. 2.9. *in fine comp. BAH.* 2) vitulus, *v. sq.* 3) *in allocutione* carus, dilectus, amicus. Lass. 40.10. 73.10.18. (Vid. वत्सल et cf. lat. *vitulus.*)

वत्सबन्धा *Adj. f.* (vituli nexum habens, e वत्स et बन्ध nexus, vinculum) magno vituli desiderio capta. BR. 1.12. (*Cf.* वत्सकामा apud Wils.)

वत्सर *m.* (fortasse e वत्, quod hac in compositione similiter significare videtur, et सर iens, v. समा) annus. AM. (Cf. lith. *wásara* aestas, pers. بهار *behâr* ver; gr. ἔαρ e ϝέσαρ, ἔτος e ϝέτσος, lat. *vêr, vetus*; respiciatur scrt. indeclin. परुत् anno praeterito - e पर alius et उत्